ग्रहों का खेल

यह राशिफल गोचर के अनुसार दिया जा रहा है अर्थात् हर राशि पर भ्रमणशील ग्रहों का क्या प्रभाव होगा, इसके बारे में विवेचन कर आपको आने वाले समय के बारे में सावधान किया जा रहा है जिससे आप जागरुक रहें। यदि समय खराब आ रहा है तो सावधान रहे एवं अनुकूल समय आ रहा हो तो अधिक परिश्रम कर उस समय का लाभ उठायें।

हमारा ध्येय यही है कि आप इस विज्ञान का उपयोग कर दूसरों से रहे हमेशा दो कदम आगे और आगे...हमेशा।

मेष

नामाक्षर : चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

अनुकूल दिवस- 2,3,4,5,6,7,9,10,11,12,14,15,16,21,22,23, 24,25,29,30,31
प्रतिकूल दिवस- 7,8,9,17,18,19,25,26,27

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 25 जुलाई से 21 सितम्बर तक 56 दिन की बुध की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय है।

यह समय योजनाबद्ध व मौके के अनुसार तैयारी करने का दौर है। महत्वपूर्ण मुद्दों में यह प्रवृत्ति बार-बार क्रियान्वित होगी। आगे बढ़ने और काम करने के पीछे बहुत से मतलब छुपे हैं। यही वह समय है जब आप नये क्षेत्र की खोज करेंगे यानि आत्मोन्नति और स्पष्टता आपके नजरिये में झलकेगी। आत्मोन्नति की प्रबल इच्छा के साथ ही साथ मुलाकातों, सहभागिताओं और लोगों के साथ संचार स्थापित करने पर मुख्य जोर रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सावचेती निहायत ही जरूरी है। सिर्फ काम, काम और काम को भूलने की आवश्यकता है। क्योंकि स्वस्थ तन और मन ही उन्नति की ओर अग्रसर करने के प्रथम पायदान हैं। आपने जो ख्याति अर्जित की है वह लाखों अलग-अलग तरीकों में प्रतिबिम्बित होगी और एक संतुष्टि का भाव महसूस होगा।

वृषभ

नामाक्षर : ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

अनुकूल दिवस– 4, 5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 23, 24, 25, 26, 27,
प्रतिकूल दिवस– 1,2,9,10,11,12,19,20,21,27,28,29

राशि अनुसार दशा- इस समय आप २७ जुलाई से २५ अगस्त तक २८ दिन की मंगल की दशा भोग रहे हैं जो दुःखकारक समय है। इसके पश्चात् २२ अक्टूबर तक ५६ दिन की बुध की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

इस समय आपके लिये धन सम्बन्धी मामलों के प्रति मुख्य आकर्षण होगा। आपको अहसास होगा कि दुनियां में शक्ति और श्रेष्ठता पैसे के बूते पर ही मिलती है। अतः आप जी-जान से समृद्धशाली बनने के लिये भरपूर प्रयास करेंगे। आप महसूस करेंगे कि आपकी जिन्दगी पर आपका पूरा नियन्त्रण है। आप पूरी ऊर्जा व शक्ति से कार्यों को अंजाम देंगे व नयी परियोजनाओं को खुद को थका देने की हद तक झोंक देंगे। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या करते हैं यह निश्चित है कि आप जो भी करेंगे उसके परिणाम सुखद ही होंगे। आपको स्वास्थ्य, पारिवारिक सम्बन्ध, प्यार व रोमांस के लिये समय का अभाव महसूस होगा। आप स्वयं को विनम्र, सौम्य व स्नेही बनाने का प्रयास करेंगे और इसके नतीजे शानदार होंगे। आप अपने नये नजरिये के साथ जीवन के संघर्षों व विवादों का

मिथुन

नामाक्षर : का, की, कू, घ, ड़, छ, के, को, हा

अनुकूल दिवस– 1,2,7,8,9,10,11,12,14,15,16,19,20,21, 25, 26, 27, 28, 29
प्रतिकूल दिवस– 2, 3, 4, 12, 13, 14, 21, 22, 23, 29, 30, 31

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 06 जुलाई से 27 अगस्त तक 50 दिन की चन्द्र की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक समय होगा। इसके पश्चात् 25 सितम्बर तक 28 दिन की मंगल की दशा रहेगी जो कि दुःखकारक समय होगा।

आप कार्य के प्रति बेहद चिंतित रहेंगे और इनमें बेहतरी लाने के कार्य में संलग्न रहेंगे। तनाव लेने और जरूरत से ज्यादा काम करने का इतना प्रबल आकर्षण होगा कि आप ऐसा करने की इच्छा करेंगे। आप लोकप्रियता के शिखर पर होंगे और इस स्थान पर होने का अहसास आनंददायक होगा। इस समय आपके सहयोगियों व उच्चाधिकारियों के साथ ज्यादा अच्छे व हार्दिक संबंध बनेंगे। देश-देशांतरों के संपर्क सूत्र जीवनदायी, महत्वपूर्ण और लाभप्रद होंगे। यह संपर्क सहभागितायें, गठजोड़ स्थापित करेंगे। आपकी सफलता, चमक-दमक और भावी समृद्धि का हिस्सा भी होंगे। यदि आप अपने व्यक्तिगत मामलों को स्वेच्छापूर्वक दरकिनार करते हुए परिवार व समुदाय पर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगे तो आपको बहुत कुछ हासिल होगा। आप घर, मकान, जायदाद पर अपना ध्यान केन्द्रित करेंगे। आप अच्छी खासी मात्रा में संपत्ति का लेन-देन करेंगे। बड़े बुजुर्गों की चिन्ता लगी रहेगी।

अगस्त में ग्रहों की स्थिति एवं परिवर्तन

कर्क

नामाक्षर : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो

अनुकूल दिवस– 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9, 10, 11, 12, 13, 1417, 18, 19, 21, 22, 23, 27, 28, 29, 30, 31

प्रतिकूल दिवस– 4, 5, 6, 7, 14, 15, 16, 23, 24, 25,

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 16 जुलाई से 06 अगस्त तक 20 दिन की सूर्य की दशा रहेगी जो कि प्रवासकारक समय है। इसके पश्चात् 06 अगस्त से 27 सितम्बर तक 50 दिन की चन्द्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

व्यक्तिगत से लेकर व्यवसायिक यहां तक कि रिश्तों और वैवाहिक साझेदारों तक सभी मुद्दे आपके लिए महत्वपूर्ण होंगे। इन सबके लिए आपको बहुत कुछ करना है और आपकी रचनात्मकता इस समय पूरे उभार पर होगी। इस समय मकान का निर्माण, खरीदना, नवीनीकरण, अधिग्रहण, सुधार, काम या ऑफिस का विस्तार करना विशेष महत्व के कार्य होंगे। आपकी प्रेरणा व आपके प्रयास इन सब क्षेत्रों में आपको शानदार, चमकदार नतीजे देंगे। आप अपने सच्चे मित्रों, पवित्र प्रेम व अन्य तरह के रिश्तों व नजदीकी संबंधों को बढ़ावा देंगे और उनकी कीमत को समझेंगे। आपके मन में बहुत सी आपत्तियां, गुप्त संदेह और भय हो सकता है लेकिन आप अपनी आंतरिक शक्ति व क्षमताओं के अहसास से इन सब स्थितियों से उभर जायेंगे।

सिंह

नामाक्षर : मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

अनुकूल दिवस– 2, 3, 4, 5, 6, 7, 12, 13, 14, 15, 16, 19, 20, 21, 23, 24, 25, 29, 30, 31

प्रतिकूल दिवस– 7, 8, 9, 17, 18, 19, 25, 26, 27

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 04 जून से 16 अगस्त तक 70 दिन की शुक्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय है। इसके पश्चात् 16 अगस्त से 06 सितम्बर तक 20 दिन की सूर्य की दशा रहेगी जो कि प्रवासकारक समय होगा।

आप उपलब्धियों और आवश्यकता के बीच तालमेल बैठाने की कोशिश करेंगे। अपने विचारों को उन्नत करने, अपने मत से भिन्न विचारों परामर्शों और सुझावों के लिये दिमाग को खुल्ला रखें। आपके विचार, ध्यान धारणा, पुर्नलोकन के तत्व सकारात्मक रूप से शक्तिशाली और पहले से बेहतर होंगे। दूर दराज यहाँ तक कि विदेशी गठजोड़ों के होने की भी संभावना है। अपने से अलग जीवन शैली, मूल्य मान्यता एवं अलग स्वभाव वाले लोगों के साथ आप ज्यादा सहनशीलता व विनम्रता से पेश आयेंगे। आप स्वयं को अधिक सहृदय व मिलनसार बनाने पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। जिससे अपने प्रियजनों के साथ आपके सम्बन्ध गर्मजोशी भरे व हार्दिक होंगे। आप ऐसे बदलावों का अनुभव करेंगे जो आपके माता-पिता, परिवार खासकर बच्चों के साथ आपके सम्बन्धों में खुशियां पैदा करते हों।

सूर्य

16 को सिंह राशि में प्रवेश

मंगल

16 को मेष राशि में प्रवेश

बुध

17 को सिंह राशि में प्रवेश

गुरू

धनु राशि में वक्री गतिशील

शुक्र

01 को कर्क राशि में प्रवेश

शनि

मकर राशि में वक्री गतिशील

राहु (वक्री)

मिथुन राशि में गतिशील

केतु (वक्री)

धनु राशि में गतिशील

कन्या

नामाक्षर : टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

अनुकूल दिवस– 4,5,6,7,8,9,14,15,16,17,18,19,21, 22, 23, 25, 26, 27,

प्रतिकूल दिवस– 1, 2, 9, 10, 11, 12,20, 21, 27, 28, 29

राशि के अनुसार दशा- इस समय आप 06 जुलाई से 17 सितम्बर तक 70 दिन की शुक्र की दशा भोग रहे हैं जो कि सुखकारक है।

इस समय घरेलू जिम्मेदारियां, परिवार और समाज से आपका जुड़ाव होगा। आप अपनी बौद्धिक शक्तियों, दूरदर्शिता व वैयक्तिक सिद्धि को बढ़ाने के लिए काफी कुछ करेंगे। इस समय कार्यस्थल पर कड़ी मशक्कत करनी होगी यानि कड़ी और दिलोदिमाग झोंक कर की जाने वाली मेहनत के लिए तैयार रहें। स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें आपको शिथिल कर सकती हैं इसलिए सावधानी बरतना और आराम करना बहुत जरूरी होगा। आपको अपना दमखम, शक्ति और टिके रहने की ताकत बढ़ानी होगी। आप विचारों का आदान-प्रदान व साझेदारी करना पसंद करते हैं। इसके लिए यह सही वक्त है। आपको प्रियजनों और निकट पारिवारिक दायरे के लोगों का सहयोग और समर्थन हासिल करना है। क्योंकि यह वाकई काफी कीमती और अर्थपूर्ण हैं और शायद आपकी आवश्यकता भी।

तुला

नामाक्षर : रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

अनुकूल दिवस–1,2,7,8,10,11,12,17,18,19,20,21,23, 24,25,27,28,29
प्रतिकूल दिवस– 2, 3, 4, 12, 13, 14, 21, 22, 23,29,

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 24 जून से 06 अगस्त तक 42 दिन की राहु की दशा भोग रहे हैं जो कि शोककारक समय हैं। इसके पश्चात् 06 अगस्त से 17 अक्टूबर तक 70 दिन की शुक्र की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

आप फंड, निवेश व वित्तीय संसाधनों की शक्ति पर ध्यान केन्द्रित करेंगे। व्यावसायिक और वित्तिय मामले आपको बेहद व्यस्त रखेंगे। आपको इन मामलों को तुलनात्मक रूप से ज्यादा कारगर ढ़ंग से करना होगा। क्योंकि इस समय आप तनाव व दबाव के दौर से गुजर रहे हैं। यह आपके स्वास्थ्य को भी प्रभावित करेगा। यदि आप शादीशुदा हैं तो आप जीवनसाथी के साथ अपनी परेशानियों को साझा करके तनाव मुक्त होने की कोशिश करेंगे। उत्कृष्टता नये उपाय और खोजें, व्यवसायिक व व्यक्तिगत धरातल पर ध्यान देने व इनमें मजबूती लाने के परिवर्तनकारी विचारों के मामले में आप एक नया नजरिया विकसित करेंगे। आप काम-धंधे व व्यक्तिगत संबंधों व दिलों के बीच की दूरी मिटाने के प्रति दृढ़ संकल्प होंगे।

वृश्चिक

नामाक्षर : तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

अनुकूल दिवस– 2, 3, 4, 9, 10, 11, 12, 13, 14, 19, 20, 21, 22, 23, 25, 26, 27, 29, 30, 31
प्रतिकूल दिवस– 4,5,6,7,14,15,16,23,24,25

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 24 जुलाई से 06 सितम्बर तक 42 दिन की राहु की दशा भोग रहे हैं जो कि शोककारक समय है।

इस समय नई साझेदारियां, समझौते, सहभागितायें, दिल खुश करने वाले सौदे होने की संभावना है। आप खुद को शानदार ढंग से आगे बढ़ते हुए महसूस कर सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी गहरी चिंताओं से निपटने की कोशिश करें साथ ही नजदीकी लोगों के स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें पेश आ सकती हैं। आराम और अच्छी देखभाल की आवश्यकता है। अतः सावधानी बरतना जरूरी ही नहीं आवश्यक होगा। कानूनी गठजोड़, सहभागिताएं व साझेदारियां महत्वपूर्ण होगी। दुर्घटनाओं और चोट लगने से बचें। या किसी किस्म का नुकसान भी हो सकता है। आप बहुमुखी प्रतिभा वाले हैं। व्यक्तिगत मामले में आपको इसके सच्चे महत्व का अहसास होगा। आप अर्थपूर्ण संबंध और संबंधों में अर्थ की तलाश करेंगे।

धनु

नामाक्षर : ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे

अनुकूल दिवस– 1,2,4,5,6,7,12 से 16,21 से 25,27,28,29,
प्रतिकूल दिवस– 7,8,9,17,18,19,25,26,27

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 25 जुलाई से 25 सितम्बर तक 59 दिन की गुरु की दशा भोग रहे हैं जो धनहानिकारक है।

आपके जीवन उत्तेजना, चमक-दमक व उत्साह के रंग में घुल जायेंगे। आपको रोमांस व मौजस्ती के लिए प्रचुर मात्रा में समय मिलेगा। आप यार-दोस्तों के साथ जिंदगी के लुत्फ भी उठायेंगे। आप आध्यात्मिक व उच्च स्तरीय चैतन्यता की तलाश करेंगे। चिंतन मनन, सोच विचार अपने मन में झांकना आदि विषय आपको अपनी ओर आकर्षित करेंगे। आप इस समय मानसिक शक्ति और स्फूर्ति से लबालब हैं। जो आपको जीवंत बनाने के लिए बहुत है। इस समय काफी समय से दबी पड़ी कोई महत्वाकांक्षा पूरी होने के संकेत हैं। इस सफलता से जहां आप खुश होंगे वहीं आपमें उद्विग्नता का भाव भी हावी रहेगा। आप एक साथ अनेक विपरीत परिस्थितियों से रूबरू होंगे।

मकर

नामाक्षर : भो, जा, जी, खी, खे, खो, ग, गी

अनुकूल दिवस– 2,3,4,7,8,9,14 से 19,23 से 27,29,30,31,
प्रतिकूल दिवस– 1,2,9,10,11,12,19,20,21,27,28,29

राशि अनुसार दशा- - इस समय आप २६ जुलाई से २५ सितम्बर तक ५८ दिन की गुरु की दशा को भोग रहे हैं जो कि धनहानिकारक समय है।

इस समय भ्रमण, व्यापार, कमीशन, दलाली, उच्च शिक्षा, से संबंधित यात्राएं और लोगों से नये सम्पर्क जुड़ेंगे। आपमें इन सबको करने के लिये पर्याप्त ऊर्जा एवं उत्साह होगा। आपकी प्रगति का ग्राफ निरन्तर उतरेगा व चढ़ेगा। लेकिन आप फिर भी परिस्थितियों को सम्भालने में सक्षम होंगे। आप ना सिर्फ बड़े वैश्विक मुद्दो पर ध्यान केन्द्रित करेंगे बल्कि दूसरों के कल्याण व धन सम्बन्धी मामलों को भी अपने दायरे में समेटने वाले सरोकारों पर भी ध्यान देंगे। परियोजनाएं, ऋण की समस्याएं, आपको काफी व्यस्त रखेगी। दुनियां को सही ढर्रे पर लाने की प्रवृत्ति, आपकी राशि का विशेष गुणधर्म है। और आपका बेहद सावधानी भरा व्यवहार इसमें मददगार होगा। आप दूसरों के कल्याण करने से ज्यादा, स्वयं अपनी उन्नति करने पर अधिक ध्यान केन्द्रित करेंगे।

कुंभ

नामाक्षर : गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

अनुकूल दिवस– 1,2,4,5,6,7,9,10,11,12,17 से 21,25 से 29
प्रतिकूल दिवस– 2,3,4,12,13,14,21,22,23,24,29,30,31

राशि अनुसार दशा- इस समय आप 20 जुलाई से 27 अगस्त तक 36 दिन शनि की दशा को भोग रहे हैं जो कि शोककारक समय है इसके पश्चात् 25 अक्टूबर तक 58 दिन की गुरु की दशा रहेगी जो कि सुखकारक समय होगा।

आप बहुत जोशो-खरोश के साथ अंतिम माह में प्रवेश करेंगे। घर-परिवार, काम-व्यवसाय की वजह से बहुत ज्यादा व्यस्त रहेंगे। किसी परियोजना को शुरू करने, लंबित पड़े काम को खत्म करने और नये काम को हाथ में लेने का अच्छा समय है। निवेश करने, खरीदने-बेचने, शॉपिंग करने के विषयों पर ज्यादा जोर रहेगा। अपने नौकरो, सहयोगियों, अधिनस्थों के मामले में जहां तक संभव हो शांत और बिना भावुक हुए व्यवहार करें। घर, मकान, जायदाद के मुद्दों पर गहराई से ध्यान केन्द्रित होगा। धन के मामले में यह माह लाभदायक हैं। संतुलित आहार, व्यायाम, काम के नियम घंटे आपको ज्यादा कुशल और स्वस्थ रखेंगे। आपकी उत्पादकता, क्षमता और महत्व भी अत्यधिक बढ़ेगा।

मीन

नामाक्षर: दी, दू, थ, झ, ज, दे, दो, चा, ची

अनुकूल दिवस– 1 से 4,7,8,9,12,13,14,19 से 23,27 से 31
प्रतिकूल दिवस– 4,5,6,7,14,15,16,23,24,25

राशि अनुसार दशा- इस समय आप २३ जुलाई से २१ अगस्त तक ५६ दिन बुध की दशा को भोग रहे हैं जो कि धनहानिकारक समय है इसके पश्चात् २१ अगस्त से २७ सितम्बर तक ३६ दिन की शनि की दशा रहेगी जो कि शोककारक समय होगा।

आप खुद को आगे बढ़ते हुए और इस पर भी जहां का तहां रुका हुआ महसूस करेंगे। समय या प्रगति के लिहाज से नहीं बल्कि अपने रवैये, मिजाज और चिंता के संदर्भ में आप बड़े फैसले लेने में हिचक सकते हैं क्योंकि यह महत्वपूर्ण होंगे और आपके जीवन पर प्रभाव डालने वाले होंगे। लोगों से भेंट मुलाकात की प्रबल संभावना है। और यह मुलाकात बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति या प्रसिद्ध व्यक्ति से हो सकती है। स्वास्थ्य की देखभाल करना बहुत आवश्यक सिद्ध हो सकता है। आप सामान्यतः एक बेहतर जिंदगी के आकांक्षी होंगे। जन संपर्क और स्वेच्छापूर्वक हर किस्म के संबंध स्थापित करने के लिए प्रेरित होंगे। प्यार आपको अपनी गिरफ्त में ले सकता है। आप ऐसे संबंध भी कायम करने की सोचेंगे जहां आपका कोई स्वार्थ नहीं।

शुभ एवं अशुभ समय का ज्ञान

राहु काल/यमगंड काल में शुभ कार्य करना, यात्रा करना, सौदा करना, किसी भी अच्छे कार्य के लिए इस समय को टालना ही हित में हैं। जबकि गुलिक काल में शुभ कार्य करना श्रेष्ठ रहता है।

	गुलिक काल (शुभ)		यमगंड काल (अशुभ)		राहुकाल (अशुभ)	
वार	प्रारम्भ	समाप्त	प्रारम्भ	समाप्त	प्रारम्भ	समाप्त
सोम	01-30 से	03-00	10-30 से	12-00	07-30 से	09-00
मंगल	12-00 से	01-30	09-00 से	10-30	03-00 से	04-30
बुध	10-30 से	12-00	07-30 से	09-00	12-00 से	01-30
गुरु	09-00 से	10-30	06-00 से	07-30	01-30 से	03-00
शुक्र	07-30 से	09-00	03-00 से	04-30	10-30 से	12-00
शनि	06-00 से	07-30	01-00 से	03-00	09-00 से	10-30
रवि	03-00 से	04-30	12-00 से	01-30	04-30 से	06-00

नियम

पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाओं का सर्वाधिकार ''विश्व तंत्र-ज्योतिष'' का है। ''विश्व तंत्र ज्योतिष'' में प्रकाशित लेख, चित्र एवं टिप्पणियों से संपादक अथवा संपादक मण्डल का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। प्रकाशित सामग्री पर प्रकाशक का अधिकार है अतः बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की सामग्री अथवा अंश का प्रकाशन गैरकानूनी है। पत्रिका में प्रकाशित किसी भी लेख के बारे में वाद-विवाद या कोई तर्क मान्य नहीं होगा और न ही उसके लिए लेखक, प्रकाशक अथवा संपादक जिम्मेदार होगा। सभी प्रकार के वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र जोधपुर ही मान्य होगा।

पत्रिका में प्रकाशित सभी साधना प्रयोगों के मार्गदर्शन में प्रमाणिकता का प्रयास सर्वोपरि रहता है, फिर भी जिज्ञासु पाठक एवं साधक अपने गुरु या योग्य मार्गदर्शक की देख-रेख में ही साधना प्रयोग सम्पन्न करें। कोई भी व्यक्ति ऐसे साधना प्रयोग न करें जो नैतिक, सामाजिक एवं कानूनी नियमों के विरूद्ध हों। पत्रिका में प्रकाशित साधनाओं एवं प्रयोगो को आप अपनी जिम्मेदारी पर करें। इन प्रयोगों से किसी प्रकार का लाभ अथवा हानि के लिये पत्रिका जिम्मेदार नहीं होगी। इस संबंध में किसी भी प्रकार की आलोचना या आपत्ति स्वीकार्य नहीं है। पत्रिका, संपादक मण्डल, प्रकाशक इस सम्बन्ध में किसी प्रकार की जिम्मेदारी का वहन नहीं करेंगे।

किसी भी लेख से संबंधित प्रमाण/उद्धरण यथासंभव पुराणों से, ग्रंथों से, विभिन्न लेखकों की पुस्तकों से लिये जाते हैं। यह संभव नहीं है कि उन ग्रंथों में भी वह प्रमाण अकाट्य हो। आप अपनी समझ से, बुद्धि से उन प्रमाणों को अपनी कसौटी पर परखने के बाद स्वीकार करें। यदि कोई बात अथवा लेख आपकी कसौटी पर खरा नहीं उतरता है तो कृपया उसे आप कपोल-कल्पित माने या न माने, यह आपकी स्वतंत्रता है।

पत्रिका में प्रकाशित प्रयोगों की सामग्री, विभिन्न यंत्र आदि या अन्य कोई भी सामग्री आप अपनी इच्छा से कहीं से भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रिका किसी भी सामग्री को उपलब्ध करवाने के लिये जिम्मेदार नहीं है। हम मात्र प्रयास भर कर सकते हैं। पत्रिका अपनी उपहार योजनाओं को कभी भी परिवर्तित करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। पत्रिका कार्यालय से सामग्री मंगवाने पर हम अपनी तरफ से प्रामाणिक और सही सामग्री अथवा यंत्र भेजते हैं, पर फिर भी उसके बाद में असली या नकली के बारे में अथवा प्रभाव होने या न होने के बारे में हमारी जिम्मेवारी नहीं होगी। पाठक अपने विश्वास पर ही ऐसी सामग्री पत्रिका कार्यालय से मंगवायें। (प्रकाशक)

गृह–क्लेश
निवारण कवच

प्रायः हर व्यक्ति आज तनावग्रस्त हैं, संयुक्त परिवार में जहाँ सास-बहू , ननद-भाभी के झगड़ो को गृह-क्लेश का कारण बनाकर लोगो ने आये दि पति-पत्नी मे अनबन, तो बच्चों मे तकरार, गृह-क्लेश तो पीछा ही नहीं छोड़ रहा, यदि आप की तमन्ना है,कि घर मे खुशियॉ हो अपार, सुख-शांति का हो वास तो क्यों है उदास हैं आपके पास..............

न्यौछावर राशि 2100/- रू.

अधिक जानकारी के लिये सम्पर्क करें–

त्रिनेत्र सिद्धि केन्द्र

'त्रिनेत्र भवन' प्लोट नम्बर–1, महावीर नगर, गौरव पथ, पॉलिटेक्निक कॉलेज के मैन गेट के पास, जोधपुर (राज.)
फोनः 0291–2621625, 2615625, 2618625, 2440111, 2440999 टेलीफैक्सः 0291–2618625
E-mail: tantravtj@yahoo.com Visit us: fameandfortune.org